आज़ादी का अमृत महोत्सव

साप्ताहिक सूचना पत्र

(दिनांक 14.03.2022 से 19.03.2022)

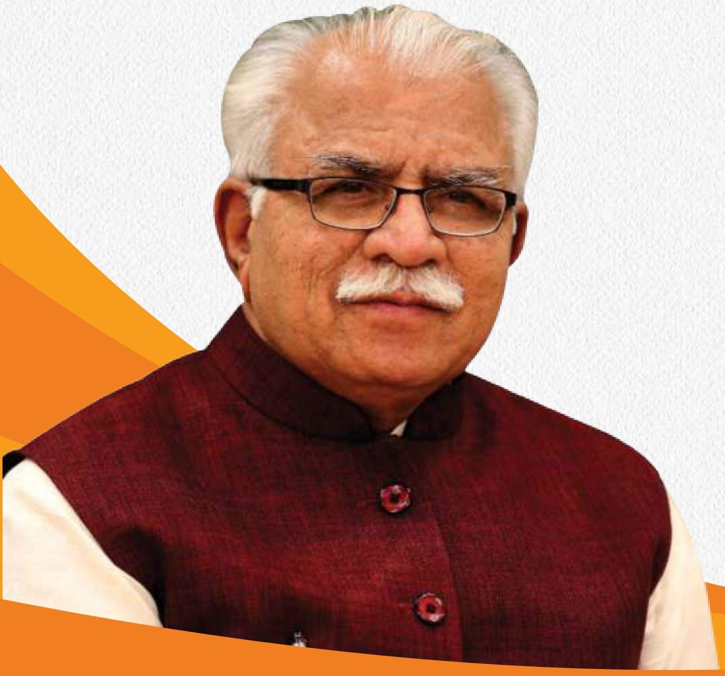

भारतीय जनता पार्टी
हरियाणा

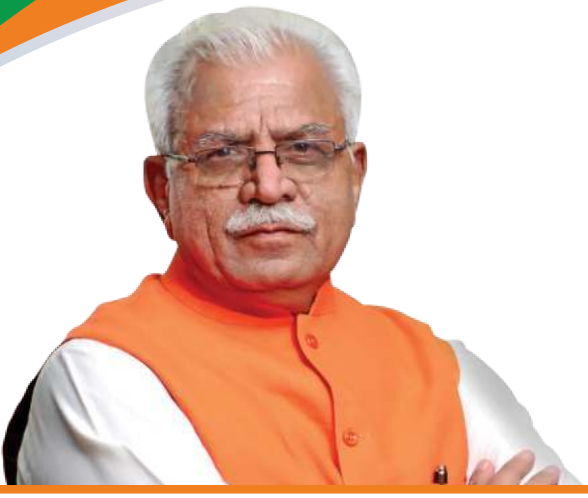

साप्ताहिक सूचना पत्र

विधानसभा का बजट सत्र

(दिनांक 14.03.22)

विषय: विधानसभा का बजट सत्र।

प्रभाव: हरियाणा विधानसभा के बजट से सत्र के दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी ने सदन में उठाये गए विभिन्न विषयों और मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय और बात रखी।

इस दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी ने भिवानी जिले के डाडम क्षेत्र में अवैध खनन पर लाए गये ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर स्पष्ट किया कि इस मामले की जांच तीन एजेंसियों द्वारा की जा रही है। अगर आवष्यक हुआ तो सरकार बड़ी से बड़ी एजेंसी से निष्चित जांच करवाने के लिए तैयार है।

इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने पंचकूला जमीन के संबंध में उठे एक विषय को लेकर स्पष्ट किया कि पंचकूला के सैक्टर 23 से 28 तक 1992 में अधिग्रहीत की गई भूमि के बारे जिन प्लाटधारकों को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा इन्हांसमैंट की किश्त जारी की गई है, उसकी जांच की जाएगी और प्लाटधारकों पर इस राशि का लोड नहीं दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने एक और विषय जो गुरुग्राम से संबंधित था के विषय मे बताया कि गुरुग्राम में इफको चौक फ्लाईओवर के नीचे से गुजरने वाली सीवरेज लाईन को शिफ्ट करने के कार्य के बिलों का सत्यापन करने वाले एसडीई को उसके मूल विभाग

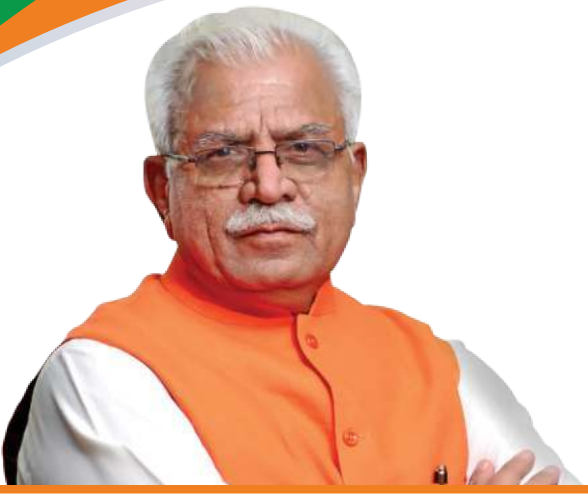

साप्ताहिक सूचना पत्र

में वापस भेज दिया गया है और जांच करके उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

7– ए की रजिस्ट्रियों में हुए घोटाले और उल्लंघनों के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री जी ने पूरे सदन के सामने यह स्पष्ट कर दिया कि 2010 से 2016 तक प्रदेश में रजिस्ट्रीयों के मामले में 7–ए के उल्लंघनों की जांच करवाई जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ किसी भी प्रकार के मामले में कोई भी कार्रवाई की है तो वह मनोहर लाल ने की है। विपक्ष ने कभी भी सरकार को कोई जानकारी नहीं दी, विपक्ष ने तथ्यों से परे बात करके केवल गुमराह करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि 140 उप तहसीलों में वर्ष 2010 से 2016 तक जमीन की रजिस्ट्रीयों में 7– ए के उल्लंघनों की जांच की जाएगी और इस पूरी प्रक्रिया को तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। जिसकी भी इस पूरे प्रकरण में संलिप्तता पाई जाएगी उस पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। यदि आवष्यकता हुई तो वर्श 2004 तक के रिकॉर्ड की भी जांच की जाएगी।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पहले रजिस्ट्री का कार्य मैनुअल तरीके से किया जाता था, परंतु हमने सितंबर 2020 में इसका एक ऑनलाइन सिस्टम बनाया। सभी प्रणाली को सुव्यवस्थित तरीके से चलाने के लिए एक –डेढ़ महीने तक प्रदेशभर में नई रजिस्ट्रीयां नहीं हुई थी।

उन्होंने बताया कि रजिस्ट्री में हो रही गड़बड़ी के मद्देनजर हमने यह पाया कि 2 कनाल यानी 1000 स्क्वायर मीटर जमीन का इस्तेमाल ही अवैध कॉलोनियों के लिए होता है। रजिस्ट्री में गड़बड़ी करने के लिए नियम के तहत प्रयोग होने वाले कृषि योग्य

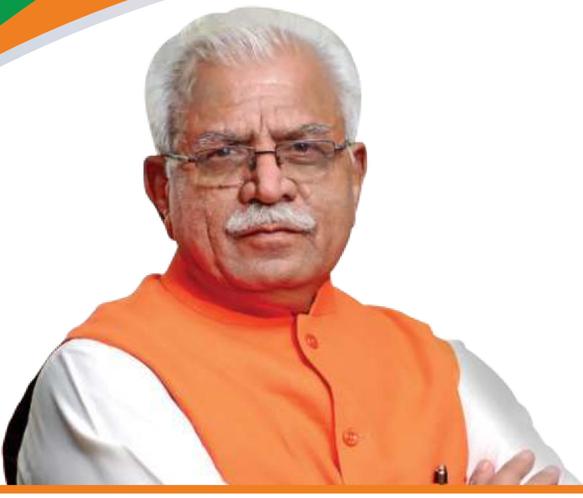

साप्ताहिक सूचना पत्र

भूमि और वेकेंट लैंड शब्दों का दुरुपयोग किया गया। इसी पर नकेल कसने के लिए हमने यह निर्णय लिया कि 2 कनाल भूमि की सीमा 1 एकड़ होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जो भी कोई अवैध कॉलोनियों को विकसित करने के लिए छोटी भूमि को खरीदता और बेचता है, उस पर रोक लगनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 2010 से 2016 तक की अवधि की जांच की घोषणा कुछ लोगों को शायद बर्दाश्त ना हो तो वह न्यायालय का रास्ता भी अपना सकते हैं, परंतु सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी इस मुहिम से किसी भी कीमत में पीछे नहीं हटेगी। विपक्ष के आरोपों पर मुख्यमंत्री जी ने उन्हें दो टूक जवाब देते हुए कहा कि अपनी कमियों को हमने माना नहीं जाना है। हम खुद उन्हें ढूंढ ढूंढ कर ठीक कर रहे है। और आगे भी करते रहेंगे।

कोविड–19 कमिटमेंट अवार्ड

(दिनांक 16.03.22)

विषय: कोविड–19 कमिटमेंट अवार्ड।

प्रभाव: कोविड–19 के दौरान किए गए कार्यो के लिए आज माननीय मुख्यमंत्री जी को कोविड–19 कमिटमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा–यह मेरा सम्मान नहीं सभी कोरोना वॉरियर्स का सम्मान है। उन्होंने कहा कि यह हरियाणा के उन सभी कोरोना वॉरियर्स का सम्मान है, जिन्होंने अपनी जिंदगी की परवाह न करते हुए दिन–रात मरीजों की सेवा की और लोगों को महामारी के प्रति जागरूक किया। लॉकडाउन के बावजूद लोगों की सेवा भावना नहीं रुकी। उन्होंने घर–घर जाकर दैनिक आवष्यकताओं की चीजों और दवाइयां पहुंचाने का काम किया। लोगों ने घर से दूर फंसे जरुरतमंदों के लिए आवास और भोजन की व्यवस्था की। इस दौरान सरकार ने भी जिम्मेदारी पूर्वक लोगों की सहायता की। साथ ही माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मैं सभी कोरोना वॉरियर्स का कृतज्ञ हूं। उन्हीं की बदौलत हम प्रदेश में कोविड–19 महामारी पर नियंत्रण करने में सफल रहे। मैं ऐसे मानव सेवकों का अभिनंदन करता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि प्रदेश की जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहूंगा। यह सम्मान माननीय मुख्यमंत्री जी को एशिया वन मैगज़ीन ने कोरोना महामारी के चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद प्रदेश की अर्थव्यवस्था के पुनरूद्धार और समाज के सामूहिक कल्याण में योगदान के लिए दिया। मुख्यमंत्री जी ने मैग्जीन की टीम के सभी सदस्यों का भी आभार प्रकट किया।

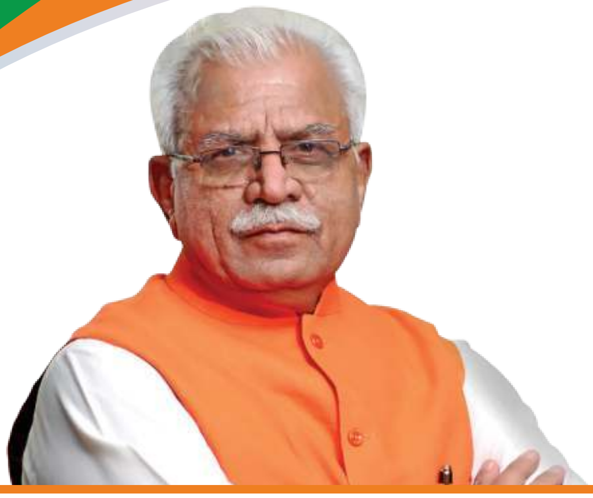

साप्ताहिक सूचना पत्र

प्रेस कॉन्फ्रेंस
(दिनांक 17.03.22)

विषय: प्रेस कॉन्फ्रेंस।

प्रभाव: माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विभिन्न मुद्दों पर बात की और प्रदेश की जनता को उनसे अवगत करवाया। माननीय मुख्यमंत्री जी ने पंजाब में बनी आम आदमी पार्टी की सरकार को बधाई दी और कहा कि एसवाईएल नहर पर अब पंजाब की दोहरी जवाबदेही होगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा हमें तो पंजाब से पानी लेना है और दिल्ली को देना है। ऐसे में एसवाईएल के लिए पानी देने की उनकी जवाबदेही ज्यादा है, क्योंकि अब दोनों राज्यों में आम आदमी पार्टी की सरकार है।

साथ ही मुख्यमंत्री जी ने यह भी कहा कि पंजाब सरकार को अब सोचना पड़ेगा जब कुछ दिनों में उनके प्रदेश का बजट पेश होगा। उनके राज्य का डेबिट टू जीएसडीपी अनुपात 48 प्रतिशत है, जो हरियाणा का महज 24.98 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अलग–अलग बात की शेखी बघारतें हैं। दिल्ली की हरियाणा से तुलना नहीं हो सकती। दिल्ली में लगभग 1100 सरकारी स्कूल होंगे लेकिन हरियाणा में 15 हजार सरकारी स्कूल हैं। वहीं उनके यहां खेती की जमीन हरियाणा की तुलना में बेहद कम है, जबकि हरियाणा में 80 लाख एकड़ कृषि भूमि है। इसी तरह अलग–अलग क्षेत्रों की भी यही हालत है इसलिए दिल्ली की तुलना हरियाणा से नहीं की जा सकती, बल्कि हरियाणा की तुलना पंजाब से जरूर की जा सकती है।

विधानसभा में CMGG। को लेकर उठे मुद्दे के संबंध में एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री जी जे कहा कि सीएमजीजीए का किसी संगठन से कोई लेना–देना नहीं है और न ही उनका किसी भी राजनीतिक संगठन से कोई लेना–देना नहीं है और सरकार इन्हें कोई वेतन नहीं देती। इनके वेतन के लिए सामाजिक संगठन जरुर काम कर रहे हैं। जो सहभागिता करते हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि एक मुख्यमंत्री होने के नाते किसी को भी अपना सलाहकार रख सकता हूँ।

जब माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछा गया कि क्या CMGG। का संबंध RSS से है तो उन्होंने स्पष्ट

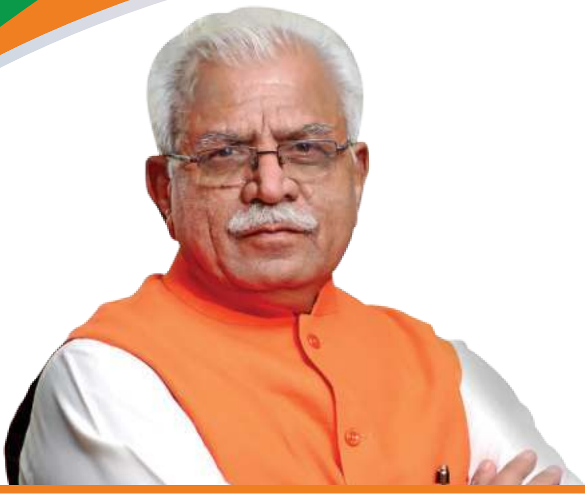

साप्ताहिक सूचना पत्र

जवाब देते हुए कहा कि CMGG। की योग्यता का कोई पैमाना या मापदंड RSS से होना नहीं रखा गया है फ़िर भी RSS कोई प्रतिबंधित संगठन नहीं है और वो स्वयं RSS से आते है। इस बात का उन्हें फ़र्क है। औऱ यदि कोई भी उनकी अपनी विचारधारा से है तो इसमें कोई ग़लत बात नहीं है।

इसके अलावा माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के साथ–साथ अब समय गवर्नमेंट कम्यूनिटी पार्टनरशिप का है। इसके तहत लोग समाज की भलाई के लिए अपना योगदान कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान सरकार द्वारा बनाए गए समर्पण एप्लीकेशन के माध्यम से सामाजिक काम के लिए करीब 75 हजार लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था और अपनी सामाजिक भागीदारी भी दी थी। इसी तर्ज पर अब नया पोर्टल बनाया गया है। इसके तहत 2900 रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। इन्हें जल्द सामाजिक कार्यों में लगाया भी जाएगा।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्रेस के सवालों के जवाब देते हुए कहा कि हमने व्यवस्था परिवर्तन के वो काम किए जो किसी ने सोचा भी नहीं था। हम भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य सरकार के अभियान को अब और भी मजबूत करेंगे।

आख़िर में उन्होंने अपनी कार्यशैली के सम्बंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए गंभीरता से कहा कि हमसे गलती हो सकती है, परंतु हम गलत नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि गलती और गलत में केवल छोटा सा फर्क होता है, वह है नीयत का, हम गलती तो कर सकते हैं, परंतु किसी का गलत नहीं कर सकते।

हमारा उद्देष्य समाज के अंतिम व्यक्ति की भलाई है। हम अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने की कोशिश नहीं कर रहे बल्कि अब शुरुआत ही हम अंतिम व्यक्ति से कर रहे है। हमने पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के उत्थान से ही जन कल्याण की शुरुआत की है, क्योंकि उन्हीं का सरकार पर पहला अधिकार है।

सभी प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं

(दिनांक 17.03.22)

विषय: सभी प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं।

प्रभाव: माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज सभी प्रदेशवासियों को होली की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि निष्चित रूप से यह त्यौहार हर्षोउल्लास व उमंग का होता है और हम आपसी मतभेद भुलाकर परस्पर भाईचारे के साथ इसे मनाते है। लोगों के दिलों में यह भाईचारा बना रहे और रंगों की तरह उनका जीवन खुशियों से खिला रहे साथ ही जिस प्रकार होली बुराई के रूप में जली थी उसी प्रकार समाज में व्याप्त बुराई भी खत्म हो और लोग सुखी रहे यही मनोकामना वह आज होली के इस अवसर पर करते हैं।

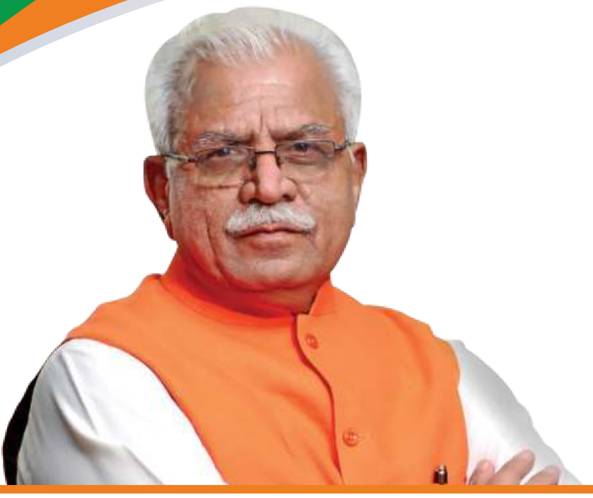

साप्ताहिक सूचना पत्र

35 वां सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला

(दिनांक 19.03.22)

विषय: 35 वां सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला।

प्रभाव: आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्त्रात्रेय जी की गरिमामयी उपस्थिति में फरीदाबाद के सूरजकुंड में लगने वाले ऐतिहासिक अंतराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले का उदघाटन किया। कोरोना के चलते पिछले 2 वर्षों से इस मेले का आयोजन नहीं किया जा सका था। यह मेला 4 अप्रैल तक चलेगा।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सूरजकुंड मेला परंपरा, विरासत और संस्कृति का संगम है। इस बार मेले का थीम राज्य केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कष्मीर और सहभागी देश उजबेकिस्तान है।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने देश–विदेश से यहां पहुंचे शिल्पकार, बुनकरों और पयर्टकों का हरियाणा की पावन धरा पर स्वागत करते हुए कहा कि यह मेला 1987 से हर साल आयोजित किया जाता है। इस साल इस मेले में हजारों की संख्या में बुनकर भाग ले रहें हैं, जिन्हें अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने का अवसर मिलेगा। 15 दिन चलने वाले इस मेले में लाखों की संख्या में पर्यटन पहुंचेगे और इसके माध्यम से अन्य देशों के साथ संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

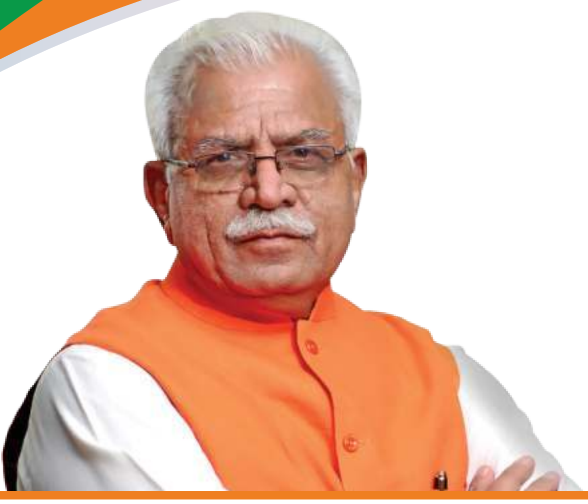

साप्ताहिक सूचना पत्र

साथ ही मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में हस्तशिल्प और हथकरघा का महत्वपूर्ण योगदान है। शिल्प व हथकरघा मेले शिल्पकारों को अपनी पसंद व कला के आदान–प्रदान का अवसर प्रदान करते हैं। इस उद्देष्य से अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड हस्तशिल्प मेला पिछले 35 सालों से ऐसे ही शिल्पकार, हथकरघा कारीगरों को एक उचित मंच प्रदान कर रहा है। विश्व की सभी प्राचीन सभ्यताओं का इतिहास हस्तषिल्प और हथकरघा के इतिहास को भी दर्शाता है। इन कलाओं को आधुनिक युग में भी उतना ही पसंद किया जाता है, जितना प्राचीन काल में किया जाता था। अतः शिल्प, हथकरघा व ऐसे ही मेले शिल्पकारों को अपनी पसंद व कला के आदान – प्रदान का अवसर प्रदान करते हैं ।

उज्बेकिस्तान के राजदूत का मेले में स्वागत करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हरियाणा हार्ट–टू–हार्ट कनेक्ट में विश्वास करता है और उज्बेकिस्तान से हरियाणा के वही संबंध रहेंगे।

उन्होंने कहा कि आज का दिन न केवल एक शुभ अवसर है बल्कि एक सांस्कृतिक अवसर भी है क्योंकि यह मेला वास्तव में इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में आयोजित भारत की सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि और विविधता के लिए एक श्रद्धांजलि है। दुनियाभर के शिल्पकार, कारीगर इस मेले में भाग लेने का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

उज्बेकिस्तान के राजदूत श्री दिलशाद अखातोव ने अपने संबोधन में कहा कि मेरे लिए गर्व की बात है कि सुरजकुंड मेले के उदघाटन समारोह में शामिल होने का अवसर मिला है। उज्बेकिस्तान के लिए एक बहुत बड़ी खुशी की बात है क्योंकि हम लगातार दूसरी बार इस मेले में भागीदार राष्ट्र के रूप में भाग ले रहे हैं। हम अपने सांस्कृतिक, पारंपरिक और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए हमें इस मेले में आमंत्रित करने के लिए भारत सरकार और विशेष रूप से हरियाणा का आभार व्यक्त करता हूं।